शिक्षाशास्त्र विभाग
इलाहाबाद विश्वविद्यालय , प्रयागराज
विस्तार और आउटरीच गतिविधि
वार्षिक प्रतिवेदन

सत्र : 2023-24

क्रम संख्या	दिनांक	गतिविधि
1.	अगस्त 08, 2023	सड़क सुरक्षा हेतु रोड सेफ्टी क्लब का गठन
2.	अगस्त 13, 2023	हर घर तिरंगा अभियान
3.	सितंबर 12, 2023	स्वच्छता पखवाड़ा
4.	अक्टूबर 01, 2023	स्वच्छता के लिए श्रमदान
5.	अक्टूबर 12, 2023	मेरी माटी मेरा देश : अमृत कलस यात्रा
6.	अक्टूबर 16, 2023	मिशन शक्ति : लैंगिग समानता एवं स्वास्थवर्धन
7.	जनवरी 12,2024	राष्ट्रीय युवा दिवस
8.	जनवरी 25, 2024	राष्ट्रीय मतदान दिवस
9.	फरवरी 29 - मार्च 06, 2024	सात दिवसीय विशेष शिविर
10.	मार्च 07, 2024	विभिन्न जागरूकता एवं जनभागीदारी अभियान

प्रथम कार्यक्रम

दिनांक: अगस्त 08, 2023

कार्यक्रम का नाम: **सड़क सुरक्षा हेतु रोड सेफ्टी क्लब का गठन**

कार्यक्रम स्थल: **शिक्षा विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज**

दिनांक अगस्त 08, 2023 सड़क सुरक्षा हेतु रोड सेफ्टी क्लब का गठन, शिक्षा विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज के सभागार में डॉ विवेक सिंह, सहायक आचार्य, शिक्षाशास्त्र विभाग के गरिमामय उपस्थित में किया गया| इकाई 16 के विगत वर्ष के पंजीकृत स्वयंसेवकों का कार्यक्रम अधिकारी द्वारा नये सत्र में स्वागत किया गया| सर्वप्रथम स्वयंसेवकों ने सरस्वती वंदना से कार्यक्रम का प्रारंभ किया | इस तदुपरान्त कार्यक्रम अधिकारी अतिथि का स्वागत किया गया एवं उन्हें राष्ट्रीय सेवा योजना के विषय में विचार रखने हेतु आमंत्रित किया| डॉ विवेक ने स्वयंसेवकों को राष्ट्रीय सेवा योजना के ऐतिहासिक उद्भव एवं इसके उद्देश्यों के बारे में सविस्तार बतलाया| साथ ही एक स्वयंसेवक से राष्ट्र को क्या क्या अपेक्षाए हैं उसके बारे में भी अपने विचार रखें| साथ ही उन्होंने स्वयंसेवकों से राष्ट्रीय सेवा योजना से सबंधित उनके विगत वर्ष के अनुभवों पर भी चर्चा की| कार्यक्रम अधिकारी डॉ गौतम ने अतिथि का विशेष आभार व्यक्त किया |

कार्यक्रम अधिकारी ने राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यालय लखनऊ के आदेश के आलोक में इकाई 16 के रोड सेफ्टी क्लब का गठन किया | इस क्लब में स्वयंसेवक नवीन कुमार पटेल को समन्वयक बनाया गया साथ ही चार अन्य सदस्य अजीत कुमार, समीर कान्त तिवारी, अभिषेक यादव एवं सचिन कुमार को इस क्लब में सर्वसम्मति से न्यूक्त किये गए| इकाई 16 की रोड सेफ्टी क्लब के सभी सदस्यों ने आगामी महीनों में रोड सुरक्षा एवं संरक्षा हेतु विविध कार्यक्रम करने की रूपरेखा प्रस्तुत की | कार्यक्रम अधिकारी डॉ गौतम द्वारा स्वयंसेवकों को आगामी हर घर तिरंगा कार्यक्रम हेतु रजिस्ट्रेशन हेतु प्रोत्साहित किया | राष्ट्रगान एवं स्वल्पाहार वितरण के उपरांत कार्यक्रम सपन्न हुआ|

द्वितीय कार्यक्रम

दिनांक: अगस्त 13, 2023

कार्यक्रम का नाम: **हर घर तिरंगा अभियान**
कार्यक्रम स्थल: शिक्षाशास्त्र विभाग, इलाहाबाद विश्वविधालय , प्रयागराज

शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार एवं राष्ट्रीय सेवा योजना निदेशालय के आवाहन पर सेवा योजन इकाई 16 के स्वयंसेवकों ने शिक्षाशास्त्र विभाग के सभागार में 'हर घर तिरंगा' कार्यक्रम का आयोजन कार्यक्रम अधिकारी के नेतृत्त्व में किया |कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ देवी प्रसाद सिंह रहे | कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रीय सेवा योजना के गीत से हुई | तदुपरान्त समीर कान्त तिवारी ने स्वरचित देशभक्ति गीत 'यह तिरंगा है हमारा मान" का पाठन कर सबको मंत्रमुग्ध किया | कार्यक्रम अधिकारी डॉ गौतम ने 'माँ भारती की स्वर्णिम' गीत को प्रस्तुत किया तथा स्वयंसेवकों को हर घर तिरंगा कार्यक्रम के उद्देश्यों से स्वयंसेवकों को परिचित कराया | मुख्य अतिथि डॉ सिह ने स्वयंसेवकों को सविधान की मूल आत्मा प्रस्तावना के विभिन्न पक्षों पर स्वयंसेवकों से चर्चा की | डॉ सिंह ने संवैधानिक मूल्यों के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु स्वयंसेवकों को प्रोसाहित किया| कार्यक्रम अधिकारी डॉ गौतम ने यह बतलाया की आजादी में इस अमृतकाल में हर भारतीय को अपने राष्ट्र के प्रति अपने पूर्ण समर्पण के साथ भारत के उतरोत्तर विकास के लिए कार्य करना होगा, साथ ही अपने तिरंगे के एवं उसमें निहित अर्थो से स्वयंसेवकों को परिचित कराया | डॉ गौतम ने सभी स्वयंसेवकों को आगामी 15 अगस्त को अपने घरो में तिरंगा ध्वज सम्मानपूर्वक फहराने हेतु प्रेरित किया और उसकी सेल्फी को भारत सरकार के पोर्टल पर अपलोड कर प्रमाणपत्र प्राप्त करने हेतु समस्त स्टेप्स से स्वयंसेवकों को अवगत कराया | राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ|

तृतीय कार्यक्रम
दिनांक: सितंबर 27, 2023

कार्यक्रम का नाम: **स्वच्छता पखवाड़ा**
कार्यक्रम स्थल: शिक्षाशास्त्र विभाग
विश्वविधालय परिसर इकाई 16 एवं इकाई 01 के सयुक्त तत्वावधान में शिक्षाशास्त्र विभाग में स्वच्छता पखवाड़ा का कार्यक्रम का आयोजन किया गया | इकाई 01 की कार्यक्रम अधिकारी डॉ रूचि दुबे ने इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. धनञ्जय यादव , विभागाध्यक्ष, शिक्षाशास्त्र विभाग का स्वागत एवं अभिनन्दन किया तथा कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की| इकाई 16 के कार्यक्रम अधिकारी डॉ मनीष गौतम ने अतिथियों को राष्ट्रीय

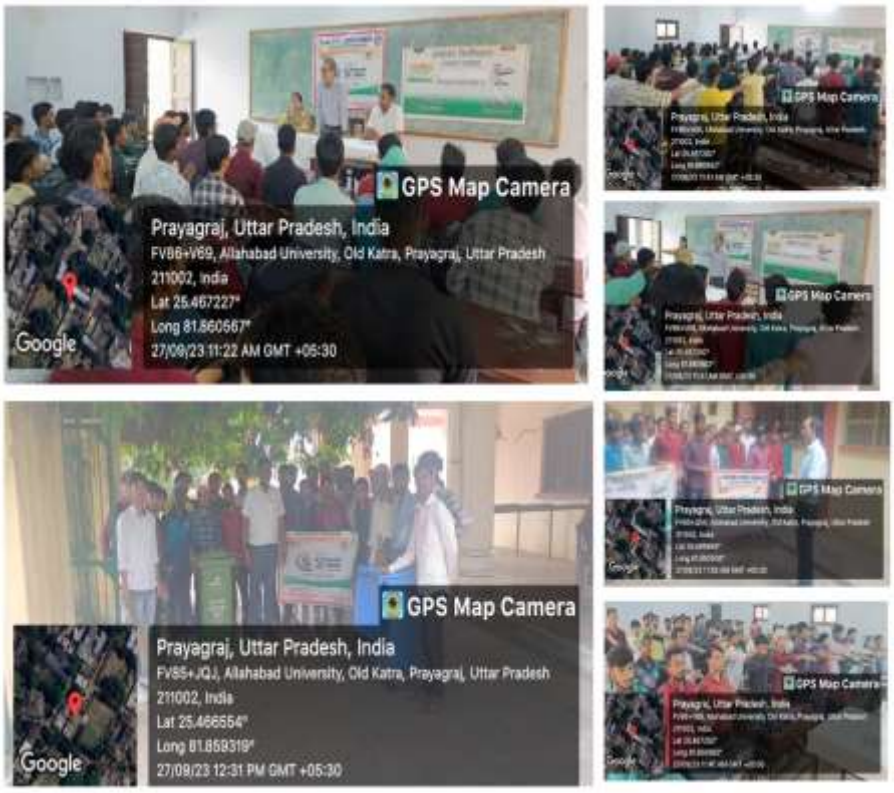

सेवा योजना द्वारा स्वच्छता पखवाड़े में किये गए विविध कार्यक्रमों के बारे में अवगत करवाया| कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. धनञ्जय यादव ने स्वयंसेवकों द्वारा स्वच्छता पखवाड़े में किये गए कार्यों की सराहना की तथा उन्हें इस कार्य को अपने जीवन का हिस्सा बनाने हेतु प्रेरित भी किया | स्वच्छता का महत्त्व को रेखांकित करते हुए प्रो. यादव ने दैनिक जीवन स्वच्छता का पालन न करने से उपजे संक्रामक रोगों से दुष्परिणाम के बारे में स्वयंसेवकों को अवगत कराया| प्रो. यादव ने गाँधी जी से जुड़े संस्मरण द्वारा स्वयंसेवकों को स्वच्छता का पाठ पढाया| डॉ रूचि एवं डॉ गौतम ने स्वयंसेवकों को स्वच्छता की शपत दिलाई | कार्यक्रम के अगले सत्र में प्रो. अनुपम पाण्डेय , विभागाध्यक्ष भूगोल विभाग का उद्बोधन स्वयंसेवकों को प्राप्त हुआ| प्रो. पाण्डेय ने सामाजिक भूगोल के उदाहरणों की सहायता से प्लास्टिक एवं उसके बने उत्पादों द्वारा पर्यावरण की क्षति के विविध पक्षों के बारे में स्वयंसेवकों को जानकारी प्रदान की | कार्यक्रम के अंत में डॉ गौतम ने सभी अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापन किया|

चतुर्थ कार्यक्रम

दिनांक: अक्टूबर 01, 2023

कार्यक्रम का नाम: स्वच्छता के लिए श्रमदान

कार्यक्रम स्थल: शिक्षाशास्त्र विभाग एवं भूगोल विभाग

भारत सरकार एवं राष्ट्रीय सेवा योजना निदेशालय का आदेशानुसार राष्ट्रीय सव्वा योजना विश्वविधालय परिसर इकाई 16 के स्वयंसेवकों ने स्वच्छता के लिए श्रमदान कार्यक्रम में बढ़ चढ़ के हिस्सा लिया| कार्यक्रम का प्रारंभ राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी की प्रतिमा पर अतिथियों शिक्षाशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. धनञ्जय यादव , भूगोल विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. अनुपम पाण्डेय ,

भूगोल विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. ए. आर. सिद्दीकी द्वारा माल्यार्पण द्वारा हुआ | भूगोल एवं शिक्षाशास्त्र विभाग के आचार्य भी इस अवसर पर उपस्थित थे | इस अवसर पर मुख्य अतिथियों ने स्वयंसेवकों को स्वच्छता की आदत बनाने हेतु प्रेरित किया| अतिथियों ने स्वयं कैम्पस में झाड़ू की सहायता से कूड़ा करकट इक्कठा कर कूड़ेदान में डाला कर कार्यक्रम की विधिवत श्रीगणेश किया | इकाई 16 के समस्त स्वयंसेवकों ने शिक्षाशास्त्र विभाग , भूगोल विभाग , मनोविज्ञान विभाग एवं प्रॉक्टर कार्यालय के बाहर के क्षेत्र में वृहद् स्वच्छता कार्यक्रम चलाया | पुरे क्षेत्र से प्लास्टिक , कूड़े-करकट को विधिवत निस्तारित भी किया | इस अवसर पर श्रम के महत्त्व को रेखांकित करते हुए स्वयंसेवकों ने विभाग के सफाईकर्मी को सम्मनित किया तथा उनके कर कमलो द्वारा विभाग के प्रांगण में वृक्षारोपण भी कराया |

पंचम कार्यक्रम

दिनाकं: अक्टूबर 12, 2023

कार्यक्रम का नाम: मेरी माटी मेरा देश : अमृत कलस यात्रा

आज़ादी का अमृत महोत्सव भारत की आज़ादी के 75 वर्ष पूरे होने का एक अखिल भारतीय उत्सव है। यह अभियान देश भर में सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन के माध्यम से प्रकट हो रहा है, प्रत्येक का आयोजन आज़ादी का अमृत महोत्सव के उद्देश्य को ध्यान में रखकर किया जा रहा है - ताकि अधिकतम "जनभागीदारी" सुनिश्चित की जा सके। दिनांक 12 अक्टूबर, 2023 को राष्ट्रीय सेवा योजना विश्वविधालय परिसर की इकाई 16 ने शिक्षाशास्त्र विभाग के प्रांगण में मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम का आयोजन हुआ| इस कार्यक्रम में डॉ पतंजलि मिश्रा , सह-आचार्य, शिक्षाशास्त्र विभाग, एवं डॉ पंकज दास अतिथि के रूप में सम्मिलित हुई| इकाई 16 के कार्यक्रम अधिकारी डॉ मनीष कुमार गौतम ने अतिथियों का स्वागत अभिनंदन किया तथा 'मेरी माटी मेरा देश' कार्यक्रम की देशव्यापी रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए बताया की भारत की आजादी के 75 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में 'मिट्टी को नमन, वीरों का वंदन' की एक राष्ट्रव्यापी भावना को मूर्त रूप देने एवं जनभागीदारी सुनिश्चित करने के लिए यह कार्यक्रम आयोजित हो रहा है । यह आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम का समापन है जिसमें हमारे राष्ट्र की रक्षा करने वाले 'वीरों' को श्रद्धांजलि देना शामिल है। समारोह गांव, पंचायत, ब्लॉक, शहरी स्थानीय निकाय, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित किए गए| भारत के गांवों से मिट्टी को ब्लॉक स्तर पर एकत्र किया जाएगा और फिर अंत में प्रत्येक ब्लॉक के स्वयंसेवकों के साथ राजधानी लाया जाएगा जो कर्तव्य पथ पर इकट्ठा होंगे। राजधानी में एक अमृत वाटिका लगाई जाएगी और माननीय प्रधान मंत्री स्वयंसेवकों को पंच प्राण प्रतिज्ञा दिलाएंगे। कार्यक्रम के अगले अतिथि डॉ पंकज दास ने स्वयंसेवकों को देश की महान विभूतिओ के जीवन चरित्र की चर्चा की एवं उनके योगदान को रेखांकित किया | मुख्य अतिथि डॉ पतंजलि मिश्रा ने स्वयंसेवकों को वीरों के अभिनन्दन एवं वंदन करते हुए एक देशभक्ति गीत गुनगुनाते हुए उन्हें देशभक्ति की भवनाओं से ओतप्रोत किया | डॉ मिश्रा ने देश की एक सूत्र में पिरोंने हेतु मिटटी की महत्ता को रेखांकित किया| डॉ पतंजलि ने सभी स्वयंसेवकों को पञ्च प्राण दिलाया तथा देश की मिटटी को अमृत कलस यात्रा के लिए अर्पित किया | इस अवसर पर स्वयंसेवकों ने वृहद रूप से वृक्षारोपण भी किया |

षष्ठम कार्यक्रम

दिनाकं :अक्टूबर 16, 2023
कार्यक्रम का नाम: मिशन शक्ति : लैंगिग समानता एवं स्वास्थवर्धन
कार्यक्रम स्थल: शिक्षाशास्त्र विभाग

शिक्षाशास्त्र विभाग में मिशन शक्ति के उपलक्ष्य में लैंगिग समानता एवं स्वास्थवर्धन विषय पर कार्यक्रम का आयोजन किया| कार्यक्रम की शुरुआत में कार्यक्रम अधिकारी डॉ मनीष गौतम ने लैंगिग समानता पर एवं महिला स्वास्थ पर 15 -15 मिनट के शोर्ट फिल्म स्वयंसेवकों को दिखाया| इन दोनों फिल्म्स पर स्वयंसेवकों के मध्य परिचर्चा का आयोजन किया गया जिसमें स्वयंसेवकों ने लैंगिग विषमता, लैंगिग भेदभाव के विविध उदाहारण की सहायता से अपने तर्कों को प्रस्तुत किया | कार्यक्रम के दुसरे सत्र में डॉ कविता ने सभी स्वयंसेवकों को विश्वविधालयों एवं अन्य शिक्षण संस्थानों में की कार्य पद्दति में हो रहे लैगिग विषमता एवं पितृसतात्मक परम्पराओं को स्वयंसेवकों के सम्मुख उदाहरणों द्वारा प्रस्तुत किया | डॉ कविता ने पितृसतात्मक सोच से पुरुषों को होने वाली समस्याओं के बारे में भी अपने सटीक उदाहरणों द्वारा समझाने का प्रयास किया | स्वयंसेवकों ने परिसर में लैंगिग भेदभाव के संदर्भ में अपने अपने अनुभवों को साँझा किया |

सप्तम कार्यक्रम
दिनांक: जनवरी 12,2024
कार्यक्रम का नाम: राष्ट्रीय युवा दिवस
कार्यक्रम स्थल: शिक्षाशास्त्र विभाग

विश्वविधालय इकाई 16 के स्वयंसेवकों ने स्वामी विवेकानंद जयंती को राष्ट्रीय युवा दिवस के उपलक्ष्य में मनाया| इस अवसर पर इकाई 16 के नए स्वयंसेवकों का स्वागत एवं अभिनन्दन भी किया गया | कार्यक्रम का प्रारंभ स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा पर माल्यार्पण से प्रारंभ हुआ | इस अवसर पर NSS द्वितीय वर्ष के स्वयंसेवकों ने नए स्वयंसेवकों को राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यपद्वति एवं उसके वृहद उद्देश्यों से परिचय करवाया साथ इकाई 16 द्वारा विगत वर्ष में किये गए कार्यों एवं कार्यक्रमों के विषय में अपने अनुभव साँझा किये | प्रथम वर्ष में नामांकित स्वयंसेवकों ने विविध प्रस्तुति दी | सची ने एक देशभक्ति गीत प्रस्तुत किया , दुर्गेश ने स्वामी विवेकानंद के कृतित्व को सारगर्भित ढंग से प्रस्तुत किया| कार्यक्रम अधिकारी डॉ गौतम ने स्वयंसेवकों को इस दिवस के महत्त्व के बारे में बताया की यह दिन युवाओं में अपने सामर्थ के प्रति जागरूकता पैदा करता है और भारत में लोगों के अधिकारों के बारे में ज्ञान प्रदान करता है। यह देश में लोगों को उचित व्यवहार करने की शिक्षा देने का दिन है। उत्सव के पीछे मुख्य उद्देश्य युवाओं को प्रेरित करके और स्वामी विवेकानन्द के विचारों का प्रसार करके देश के लिए बेहतर भविष्य बनाना है।स्वयंसेवकों ने स्वामी विवेकानंद की शिक्षाओं को अपने जीवन में धारण करने का संकल्प लिया |

अष्टम कार्यक्रम
दिनांक: जनवरी 25, 2024
कार्यक्रम का नाम: राष्ट्रीय मतदान दिवस
कार्यक्रम स्थल: शिक्षाशास्त्र विभाग

25 जनवरी 2024 को राष्ट्रीय सेवा योजना विश्वविधालय परिसर इकाई 16 के स्वयंसेवकों ने राष्ट्रीय मतदान दिवस के उपलक्ष्य में मतदाता-जागरूकता अभियान चलाया | इस अवसर पर शिक्षाशास्त्र में प्रथम मतदाताओं को चिन्हींत कर उन्हें ऑडियो एवं विडियो के माध्यम से मतदान हेतु प्रेरित किया| भारतीय चुनाव आयोग द्वारा मतदाता जागरूकता हेतु निर्मित विडियो का प्रसारण किया गया था उसके उपरांत मतदान के महत्त्व पर परिचर्चा का आयोजन किया गया | समस्त प्रतिभागियों ने अपने सक्रीय रूप से परिचर्चा में सहभाग किया | कायर्क्रम के दुसरे सत्र में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (EVM) की कार्यप्रणाली एवं EVM के द्वारा मतदान कैसे किया जाये इससे संदर्भित विडियो स्वयंसेवकों को दिखाया गया तथा EVM से सबंधित स्वयंसेवकों के प्रश्नों, शंकाओं का समाधान भी किया गया |

नवम कार्यक्रम
दिनांक: मार्च 07, 2024
कार्यक्रम : विभिन्न जागरूकता एवं जनभागीदारी अभियान

विशेष शिविर की समाप्ति के पश्यात राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई 16 के सभी स्वयंसेवकों ने वृहद् स्तर पर विभिन्न जागरूकता एवं जनभागीदारी अभियान चलाया | सभी स्वयंसेवक छोटे -छोटे समूहों में विभक्त हो कर प्रयाग के विभिन्न क्षेत्रो में कार्यक्रम संचालित किया | एक समूह ने प्राथमिक विद्यालय कटरा में विद्यार्थियों के स्वास्थ एवं स्वच्छता के विषय में जागरूकता अभियान चलाया| स्वयंसेवकों ने यह बताया की हम खाने से पहले हाथ धोना, स्वच्छ कपडे पहनना अदि छोटी छोटी आदतों में सुधार कर हम स्वस्थ जीवन जी सकते हैं | दुसरे समूह ने तेलियरगंज स्थिति विद्यालय में योग का महत्त्व के बारे में बताया

तथा विद्यालय में विभिन्न TLM भी वितरित किये जिसकी सहायता से शिक्षक विद्यार्थियों की और अच्छी शिक्षा दे सकें| अन्य समूह अल्लापुर स्थिति मलिन बस्ती में हाउसहोल्ड सर्वे किया तथा आउट ऑफ़ स्कूल विद्यार्थिओं के अभिवावकों से बात की तथा उन्हें विद्यार्थियों को विद्यालय में भेजने के लिए प्रेरित किया | सरकार द्वारा बच्चो की पढ़ाई हेतु किये गए उपायों एवं योजनाओं के बारे में अवगत कराया | साथ ही स्वयंसेवकों ने मलिन बस्ती के अन्य लोगों से बात कर उनकी समस्या जानी साथ सफाई एवं स्वास्थ केलिए जन भागीदारी के महत्त्व के प्रति जागरूक किया| स्वयंसेवकों ने लोगों को मतदाता रजिस्टर में नामांकन हेतु भी प्रेरित किया तथा ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया को भी समझाया | स्वयंसेवकों ने कुछ युवाओं के ऑनलाइन मतदाता सूची में नामांकन हेतु रजिस्ट्रेशन कराया |

अन्य समूह ने विश्वविद्यालय प्रांगण में 10 फलदार वृक्षों का वृक्षारोपण किया तथा यह शपथ भी ली की वो विश्वविद्यालय में अपने शिक्षण सत्र के दौरान नियमित रूप से उक्त पेड़ों की देखभाल करेंगें |

स्वयसेवकों ने माघमेले एवं आगामी कुम्भ मेले के संदर्भ में यातायात विभाग की तैयारी एवं उनकी कार्य संस्कृति के बारे में वरिष्ठ अधिकारीयों एवं ग्राउंड पर उसे लागु करने वाले कर्मठयातायात पुलिस कर्मियों से वार्तालाप किया तथा उनके साथ यातायात के नियमो के प्रति जनमानस को सचेत करने का कार्य भी किया | यातायात कर्मियों को सहायता से लोगों को दोपहिया वाहन में हेलमेट एवं कार इत्यादी में सीट बेल्ट के प्रयोग हेतु लोगो को जागरूक किया |

सत्र के अंत में सभी स्वयंसेवकों ने शिक्षाशास्त्र के सभागार में अपनी अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत किया तथा अपने अनुभवों को दुसरे स्वयंसेवकों के साथ साँझा किया | कार्यक्रम अधिकारी डॉ मनीष गौतम ने सभी स्वयंसेवकों के कार्यों की सराहना की तथा उन्हें इस आदत को अपने जीवन का अभिन्न अंग बनाने हेतु प्रेरित किया | राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ |

सात दिवसीय विशेष शिविर

फरवरी 29 - मार्च 08, 2024

प्रथम दिवस :

फरवरी 29, 2024

माननीय कुलपति प्रो. संगीता श्रीवास्तव के प्रेरणास्वरुप विश्वविद्यालय राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई 16 ने विशेष शिविर का आयोजन किया| उद्घाटन सत्र में शिक्षा विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर धनञ्जय यादव ने कार्यक्रम कि अध्यक्षता की मुख्य वक्ता के रूप में डॉक्टर सुग्रीव सिंह, समन्वयक , विश्वविधालय सेवा योजना ने "विद्यार्थी अपने जीवन में सफलता कैसे पाएं और जीवन को कैसे बेहतर बनाएं" विषयक पर अपने विचार स्वयंसेवकों के सम्मुख प्रस्तुत किये| इस सत्र में शिक्षाशास्त्र विभाग के डॉ सरोज, डॉ रूचि, डॉ विवेक, डॉ अनामिका, डॉ तुषार, डॉ पंकज, डॉ वीरेंद्र, डॉ संगीता एवं डॉ शीलू शिक्षक व शिक्षिकाएं उपस्थित रहें| शिक्षा विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर धनञ्जय यादव ने अतिथियों का स्वागत किया और विद्यार्थियों को कहा कि किसी भी तरह की सफलता प्राप्त करने के लिए परिश्रम का कोई विकल्प नहीं होता है | लक्ष्य केन्द्रित करके सही दिशा में कठोर परिश्रम करके सफलता प्राप्त किया जा सकता है | जितना बड़ा संघर्ष होगा, जीत उतनी ही शानदार होगी| सत्र के मुख्यवक्ता डॉक्टर सुग्रीव सिंह ने बताया कि जीवन में सफलता के तीन मंत्र हैं- सही समय पर सही सोच के साथ सही दिशा में कदम आगे बढ़ाने पर सफलता मिलती है | सफलता किसी दूसरे की मेहनत से हासिल नहीं हो सकती है, ईश्वर भी उसी की मदद करते हैं जो अपनी मदद स्वयं करता है |

कार्यक्रम के द्वितीय सत्र में डॉ पतंजलि मिश्रा , डॉ देवी प्रसाद सिह एवं विश्वविद्यालय सेवा योजना सूचना एवं मंत्रणा केंद्र के श्री अभिषेक श्रीवास्तव ने स्वयंसेवकों को संबोधित किया तथा चरित्र निर्माण पर विशेष बल दिया | डॉ मिश्रा ने मन को नियंत्रित करने के उपाय बताएं तथा कहा कि हमें जीवन में कभी हताश नहीं होना चाहिए, निरंतर आगे बढ़ता रहना चाहिए| डॉ देवी प्रसाद सिंह ने कहा कि मनुष्यता की रचना करना शिक्षा का परम उद्देश्य है| शिक्षा से संस्कृति, संस्कृति से संस्कार, संस्कार से उद्धार एवं मनुष्य का पूर्ण विकास होता है| धन्यवाद ज्ञापन कार्यक्रम अधिकारी डॉक्टर मनीष कुमार गौतम ने किया|

द्वितीय दिवस

मार्च 01, 2024

विशेष शिविर के दुसरे दिन स्वयंसेवक विश्वविधालय परिसर में प्रात: एकत्र हुए एवं NSS गीत एवं शारीर को स्वास्थ रखने हेतु योगाभ्यास किया| इसके उपरांत सभी स्वयंसेवक स्वराज विद्यापीठ परिसर में 'मेरा पहला वोट देश के लिए' कार्यक्रम में सम्मिलित हुए | राष्ट्रीय सेवा योजना विश्वविधालय परिसर द्वारा चुनाव में युवाओं की सार्वभौमिक प्रबुद्ध भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए आयोजित ''मेरा पहला वोट देश के लिए'' अभियान में बोलते हुए इलाहाबाद विश्वविद्यालय की जनसंपर्क अधिकारी प्रो. जया कपूर ने कहा कि चुनाव उत्सव की तरह है। विद्यार्थियों जीवन के निर्णय हमें जीवन भर प्रभावित करते हैं। निर्वाचन भी सही निर्णय की माँग करता है।हनुमान की तरह हमें अपनी शक्ति का अहसास करना चाहिए।ज्ञान व शक्ति के समन्वय से ही यह संभव है।हमारे वोट की बूँद से ही घड़ा भरेगा, हमें यह समझना होगा। प्रलोभनों से प्रभावित हुए बिना हमें अपने मताधिकार का प्रयोग करना चाहिये।

इसी प्रकार बढ़ाते आगे बढ़ते हुए क्रम में हम लोगों ने स्वच्छता अभियान में एक छोटी सी भूमिका को निभाया और सैलरी के क्षेत्र ओम गायत्री नगर में जाकर कुछ साफ सफाई करने का प्रयास किया जहां पर कुछ कूड़े करकट फेक हुए थे नालियों के पास उन गुना को हम लोगों ने एक बड़े से हाथ गाड़ी में इकट्ठा किया जिससे नगर निगम की गाड़ी उसे ले जा सके और इसी बीच में हम लोगों ने समाज में अहम भूमिका निभाने वाले लोगों से साफ सफाई के ऊपर चर्चा पर चर्चा हुई जिससे हम लोगों को एक अच्छा अनुभव प्राप्त हुआ ।

दुसरे सत्र में सहायक ज़िला निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी श्री रवीन्द्र प्रताप सिंह जी ने कहा कि निर्वाचन में भाग न लेने के दुष्परिणाम हमें जानना चाहिए।अनचाहे प्रतिनिधित्व से बचने का तरीक़ा शत प्रतिशत मतदान ही है। हमें स्वतंत्र, निष्पक्ष, शान्तिपूर्ण निर्वाचन की गरिमा को अक्षुण्ण रखना होगा। कार्यक्रम समन्वयक, राष्ट्रीय सेवा योजना, इलाहाबाद विश्वविद्यालय डॉ. राजेश कुमार गर्ग ने कहा कि हमें अपने देश की लोकतांत्रिक परम्पराओं की मर्यादाओं को बनाये रखने के लिए प्रयत्नशील होना चाहिये।

दुसरे सत्र के उपरांत स्वयंसेवक विभिन्न छोटी-छोटी टोलियों में विभाजित होकर स्वच्छता एवं सरकारी योजनाओं के बारे में जागरूकता अभी वृहद् अभियान चलाया| स्वयंसेवकों ने कटरा, छोटा बघाड़ा , एलनगंज के मुहल्लों में जा कर लोगों को विभिन्न सरकारी योजनाओं के बारे में अवगत कराया | स्वयंसेवकों की एक टोली टैगोर टाउन स्थित ओल्ड ऐज होम गई तथा वहां के संचालक एवं रह रहे बुजुर्गों की सेवा की | उनको स्वास्थ सबंधित कुछ जरुरी चीजों के बारे में अवगत कराया|

विशेष शिविर : तीसरा दिन

अप्रैल 02, 2023

विशेष शिविर का तीसरा दिन माघ मेले में स्वच्छता अभियान एवं सुरक्षा एवं संरक्षा पर केंद्रित रहा। शिविर के प्रथम सत्र में सभी स्वयंसेवको ने माघ मेला संगम क्षेत्र में हनुमान मंदिर से लेकर संगम तट तक एक रैली निकाली जिसमें लोगों को स्वच्छ भारत और स्वस्थ भारत बनाने के लिए जागरूक किया तथा प्लास्टिक ना प्रयोग करने के लिए प्रेरित किया। स्वयंसेवकों ने अनेक नारे जैसे-"स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत" 'के माध्यम से जागरूक किया। इसके पश्चात सभी स्वयंसेवकों ने संगम तट स्वच्छता अभियान चलाया। स्नान घाट पर फैले हुए कचरे को एकत्रित कर उसका निस्तारण किया| "माघ मेला में श्रमदान" करने और उन्होंने वहां पर साफ-सफाई और भूले- बिसरे सिविर में लोगों की सहायता करने के उपरांत सभी स्वयंसेवकों अक्षयवाट क्षेत्र आसपास साफ- सफाई की।

तीसरे दिन के दुसरे सत्र में स्वयंसेवकों ने इंस्पेक्टर दुर्गेश सिंह एवं कांस्टेबल सतीश पाण्डेय के मार्गदर्शन में फायर सर्विस की गतिविधियों की जानकारी प्राप्त किया| इंस्पेक्टर दुर्गेश सिंह ने अग्निशमन विभाग की सम्पूर्ण कार्य पद्धति से स्वयंसेवकों को बताया तथा इस सेवा क्षेत्र में रोजगार के अवसर एवं कठिनाईयों के बारे में अपने विचार रखे| कांस्टेबल सतीश पाण्डेय ने विभिन्न अग्निशमन यंत्रो के सचालन का प्रदर्शन स्वयंसेवकों के सम्मुख किया, तथा स्वयंसेवकों की जिज्ञासा भी शांत की |

विशेष शिविर : चौथा दिन

अप्रैल 03, 2023

विशेष शिविर के चौथे दिन की शुरुआत सभी स्वयंसेवकों ने चंद्रशेखर आज़ाद पार्क स्थित शहीद चंद्रशेखर आज़ाद के प्रतिमा प्रांगण की सफाई से की| प्रांगण में प्लास्टिक एवं अन्य कूड़े-करकट को एकत्र कर उनका विधिवत निस्तारण किया| सफाई कार्य के बाद स्वयंसेवकों ने NSS गीत एवं कुछ देशभक्ति गीतों

द्वारा देश के अमर जवान शहीदों को याद किया | स्वयंसेवक आशीष एवं तान्या द्वारा समस्त स्वयंसेवकों योगाभ्यास कराया गया , जिसमें सूर्यनमस्कार, एवं बैठ कर, लेट कर करने वाले 10 आसनों एवं प्राणायाम का अभ्यास सभी स्वयंसेवकों ने किया | इसके उपरांत स्वयंसेवकों को भारतीय सांस्कृतिक धरोहरों से परिचय करने हेतु इलाहाबाद राष्ट्रीय संग्रहालय का भ्रमण किया तथा देश के सामाजिक-सांस्कृतिक विरासत की देखने एवं समझने का अवसर प्राप्त किया|

चौथे दिन के दुसरे सत्र में चंद्रशेखर आज़ाद पार्क स्थितकेन्द्रीय संस्कृत विश्वविधालय के गंगानाथ झा परिसर में चुनावों में युवाओं की प्रबुद्ध भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए एवं स्वयंसेवकों के चरित्रनिर्माण के विषय में संगोष्ठी का आयोजन किया गया था| जिसमें

इलाहाबाद विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के प्रो. योगेन्द्र प्रताप सिंह एवं दर्शनशास्त्र विभाग के प्रो. ऋषिकान्त पांडेय मुख्य अतिथि एवं वक्ता रहे, इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक डॉ राजेश गर्ग की गरिमामय उपस्थिति भी रही | अपनी विचारों को रखते हुए प्रो. योगेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि जीवन परफ़ार्मिंग आर्ट नहीं है। केवल बुद्धि से व्यक्तित्व और चरित्र का निर्माण नहीं हो सकता। जीवन में सफलता और सार्थकता का समावेश आवश्यक है। जीवन की सार्थकता केवल अवसर की उपलब्धता मात्र नहीं है। शील और मर्यादा हमारे व्यक्तित्व को गढ़ते हैं। हमें सावधानीपूर्वक लोकमत का परिष्कार करना चाहिए। लोकमत परिष्कृत होगा तो मतदाता सही निर्णय कर सकेंगे । हमें मतदान के लिए स्वयं प्रेरित होकर अन्यान्य को भी प्रेरित करना चाहिए। प्रो. ऋषिकान्त पांडेय ने कहा कि आचरण और चरित्र से स्खलन ख़तरनाक होता है। ज्ञान और चरित्र एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। बिना एथिक्स के चरित्र की कल्पना कठिन है । लोकतंत्र में मतदान का महत्व सर्वविदित है यह हमारी ज़िम्मेदारी भी है। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. राजेश कुमार गर्ग ने कहा कि हम भारतीय उत्सव जीवी हैं। मतदान को भी उत्सव की तरह जीना चाहिए। इस अवसर पर प्रख्यात लेखक डॉ आरुणेय मिश्रा का प्रबुद्ध उद्बोधन भी सुनने का अवसर स्वयसेवकों को प्राप्त हुआ| डॉ मिश्रा ने जीवन में श्रम एवं कर्म की महत्ता पर अपने विचार रखे |

विशेष शिविर : पाँचवा दिन

अप्रैल 04, 2023

विशेष शिविर के पाँचवे दिन सर्वप्रथम समस्त स्वयंसेवकों में योगाभ्यास किया| देशभक्ति गीतों की प्रस्तुति के बाद, स्वयसेवकों ने महिलाओं की सुरक्षा एवं संरक्षा तथा लैंगिग भेदभाव के विरुद्ध जागरूकता के लिए रैली का आयोजन किया | रैली का प्रारंभ शिक्षाशास्त्र विभाग से हुआ , जो कटरा होते हुये चंद्रशेखर आज़ाद पार्क तक गई | स्वयसेवकों ने महिलाओं के अधिकार एवं लैंगिग समानता के नारे द्वारा एवं आम जन को सवांद के द्वारा विभिन्न महिला सुरक्षा एवं संरक्षा सबंधित अधिकारों के प्रति जागरूक किया |

पाँचवे दिन के आखिरी सत्र में प्रख्यात मनोविज्ञानी परामर्शक श्रीमति (डॉ) हिमानी उपाध्याय ने स्ट्रेस मैनेजमेंट पर अपना व्याख्यान दिया| डॉ. हिमानी सबसे पहले कुछ क्रियाकलाप स्वयंसेवकों से करवाया जिससे उनकी एकाग्रता एवं उनके सकारात्मक दृष्टिकोण को परखा जा सके| डॉ हिमानी ने स्ट्रेस के संप्रत्यय को सैधांतिक ज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक उदाहरणों द्वारा स्पष्ट किया| डॉ हिमानी ने स्पष्ट किया की मानसिक तनाव आधुनिक जीवनशैली से जुड़ी आम समस्या है पर जागरूकता के अभाव में अधिकतर लोग इसकी ओर ध्यान नहीं देते। अगर सही समय पर उपचार न किया जाए तो शारीरिक स्वास्थ्य पर भी इसका नकारात्मक असर पड़ता है। कुछ कार्यों में अच्छे प्रदर्शन के लिए थोड़ा तनाव होना जरूरी है। मसलन, खेल के मैदान, परीक्षा हॉल और स्टेज पर काम करते समय जब तक व्यक्ति के मन में थोड़ा तनाव नहीं होगा तो वह अच्छे ढंग से अपना कार्य पूरा नहीं कर पाएगा। डॉ हिमानी ने तनाव के दो प्रकार बताएं हैं-यूस्ट्रेस जो इच्छित तनाव है तथा यह खतरनाक नहीं होता बल्कि आवश्यक होता है जो व्यक्ति को अपने कर्तव्यों के प्रति जागरूक रखता है; दूसरा डिस्टेंस जो अनैच्छिक होता है तथा इस पर व्यक्ति नियंत्रण नहीं रख सकता और कई परेशानियां खड़ी करता है इसे नेगेटिव स्ट्रेस (stress management) भी कहा जा सकता है।डॉ हिमानी ने तनाव प्रबंधन के कुछ समान्य उपाय बतलाये जैसे तनाव होने पर हमेशा चीजों को सकारात्मक तरीके से देखने की कोशिश करनी चाहिए। कुछ मामलों में हो सकता है कि आपको फ्रेश स्टार्ट की भी जरूरत पड़े। पर्याप्त नींद व आराम मिलने से हमारा शरीर व मन दोनों स्वस्थ रहते हैं। समय पर नींद लेने से व्यक्ति की कार्यक्षमता तो बढ़ती ही है साथ ही तनाव में भी कमी लाने में मदद मिलती है। अपने मित्रों के साथ अच्छा व्यवहार करे तथा अच्छे लोगों के साथ दोस्ती रखना, तनाव को कम करने या समाप्त करने में सबसे अधिक मददगार हो सकता है| इस अवसर पर श्री सचिन नेब एवं प्रो. पी.के. साहू एवं प्रो. धनञ्जय यादव आदि उपस्थित रहे| कार्यक्रम अधिकारी डॉ मनीष ने डॉ हिमानी के ओजस्वी उद्बोधन एवं व्यवहारपरक उदाहरणों से तनाव प्रबंधन के गुणों को सिखलाने हेतु धन्यवाद ज्ञापित किया | कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान से हुआ|

विशेष शिविर : छठा दिन

अप्रैल 05, 2023

विशेष शिविर के छठे दिन के प्रथम सत्र में सभी स्वयंसेवक छोटे छोटे समूह में कैंप हेतु सुनश्चित मलिन बस्ती एवं उसके आस पास ले क्षेत्रो में विविध कार्यक्रम चलाये | स्वयंसेवकों ने बस्ती में स्वच्छता कार्यक्रम , स्वास्थ जागरूकता एवं विद्यार्थियों के लिए विशेष अभियान चलाया| स्वयंसेवकों की एक टोली ने जार्जटाउन थाने के SHO एवं अन्य पुलिस कर्मियों से पुलिस सेवा एवं उनकी कार्यप्रणाली के बारे में जाना तथा थाने में FIR ,NCR लिखने की प्रक्रिया के बारे में भी जानकारी प्राप्त की | इसके साथ ही स्वयंसेवकों को अन्य विधिक जानकारी अधिवक्ता सुप्रिया ने उपलब्ध कराई | उन्होंने स्वयंसेवकों को पुलिस एवं न्यायालय की कार्यप्रणाली के बारे में वृस्तित जानकारी दी |

दुसरे सत्र में मुक्ता चैरिटेबल ट्रस्ट के प्रोजेक्ट मैनेजर श्री योगेन्द्र चौबे जी ने स्वयंसेवकों ने स्वयंसेवकों को समाजसेवा में रोजगार के अवसर एवं स्वयं के समाजसेवी संस्थान खोलने हेतु प्रक्रिया के बारे में अवगत कराया| श्री

योगेन्द्र चौबे जी ने समाजसेवा में रोजगार के अवसर एवं पेशेवर कौशलों के बारे में सविस्तार से बतलाया | श्री चौबे जी ने अपने 20 वर्षों के कार्यक्षेत्र के अनुभवों के आधार पर स्वयंसेवकों को कुछ पेशेवर कौशलों के बारे में बतलाया | सामाजिक सेवा में मास्टर प्रोग्राम (MSW) तथा रूलर मैनेजमेंट में MBA के बाद कोई भी व्यक्ति सीधे किसी भी स्वयंसेवी संस्थान में पेशेवर स्वयंसेवक के रूप में रोजगार प्राप्त कर सकता हैं | गाँधी फेलोशिप आदि अनेक फेलोशिप भी स्नातक के बाद उपलब्ध हैं जो एक पेशेवर स्वयंसेवी के रूप में किसी को स्थापित होने में मदद करते हैं | मुक्ता फाउन्डेशन के सुश्री ख़ुशी सिंह ने स्वयंसेवकों को ट्रस्ट, सामाजिक संस्थान या सोसाइटी के निर्माण के लिए वैधानिक प्रावधानों के बारे में स्वयंसेवकों को बतलाया| साथ ही किसी ट्रस्ट, सामाजिक संस्थान या सोसाइटी के मध्य क्या मुख्य अंतर होता है साथ ही उनके स्थापना के उद्देश्यों . टैक्स आदि पक्षों पर भी प्रकाश डाला | दोनों अतिथियों ने अपने व्याख्यान के बाद स्वयंसेवकों के प्रश्नों के उत्तर भी दिए | कार्यक्रम अधिकारी डॉ मनीष ने दोनों अतिथियों का हार्दिक धन्यवाद ज्ञापित किया|

छठे दिन का अंतिम सत्र आपदा प्रबंधन की कार्यशाला को समर्पित रहा | सत्य साईं सेवा समिति के प्रशिक्षित सदस्यों ने स्वयंसेवकों को आपदा प्रबंधन के गुण सिखाये | समिति के

सदस्य श्री समीर नेब एवं सुजॉय चटर्जी के नेतृत्त्व में स्वयंसेवकों ने आग लगने पैर कैसे बचाव किया जाये इसका व्यक्तिगत अनुभव प्राप्त किया साथ उन्होंने रस्सी की सहायता से विभिन्न तरह की गाँठों को लगाने का प्रशिक्षण भी प्राप्त किया | सभी स्वयंसेवकों ने विभिन्न परिस्थितियों में किस गाँठ का प्रयोग किया जायेगा इसका अनुभव भी प्राप्त किया | श्री नेब से बाढ़ एवं अन्य आपदा के स्थिति में कैसे एक जगह से दूसरी जगह रस्सी की सहायता से जाया जा सकता है उसका प्रशिक्षण सभी स्वयंसेवकों को दिया | साथ ही घर पर यदि प्राथमिक उपचार हेतु किसी को ले जाना हो तथा स्ट्रेचर उपलब्ध न हो उस परिस्थीती में कैसे हम बेडशीट या तौलिये की सहायता से स्ट्रेचर बना सकते हैं इसका प्रदर्शन दिया साथ ही उन्होंने स्वयंसेवकों को हाथ की विभिन्न मुद्राओं के द्वारा स्ट्रेचर का निर्माण कैसे किया जाता है उसका भी व्याहारिक प्रशिक्षकं प्रदान किया | कार्यक्रम अधिकारी डॉ गौतम ने सभी प्रशिक्षकों का धन्यवाद ज्ञापन किया |

विशेष शिविर : सातवाँ दिन

अप्रैल 06, 2023

विशेष शिविर के अंतिम दिन का प्रारंभ वंदना एवं देशभक्ति गीतों से हुआ | स्वयंसेवकों ने प्रथम सत्र में योगाभ्यास किया तथा इसके उपरांत छोटे -छोटे समूहों में विभाजित होकर डिजिटल साक्षरता, डिजिटल फ्रौड़ एवं सिंगल यूज़ प्लास्टिक के प्रति लोगो के मध्य जागरूकता अभियान चलाया | लोगों को UPI पेमेंट , धोखाधड़ी से कैसे बचे RBI द्वारा जागरूकता विडियो संदेशों के माध्यम से जागरूक करने का प्रयास किया था|

लोग वोट क्यों नहीं डालते इसके कारणं पर भी विचार करना चाहिएः प्रो. मनमोह

दुसरे सत्र में शिक्षाशास्त्र विभाग के सभागार में विभिन्न प्रतियोगिताएं का आयोजन किया गया था जिसमें समस्त स्वयंसेवकों ने बढ़ चढ़ कर प्रतिभाग किया था | सर्वप्रथम 'मतदान हमारा अधिकार' विषयक पर 20 से अधिक स्वयंसेवकों ने पोस्टर निर्माण प्रातियोगिता में प्रतिभाग किया था जिसमें सचिन प्रजापति ने प्रथम स्थान , अभय ने द्वितीय एवं साहिल पाण्डेय ने तृतीय स्थान प्राप्त किया | एक्स्टेम्पोर भाषण प्रतियोगिता में 15 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया था जिसमें दुर्गेश कुमार पाण्डेय ने प्रथम, सचिन ने द्वितीय एवं शिखर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया| 'नारी' शीर्षक पर स्वरचित कविता पाठ में सचिन , आशीष एवं शिखर गुप्ता ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया |

विशेष शिविर के समापन सत्र में अर्थशास्त्र के विशेषज्ञ प्रो. मनमोहन कृष्ण मुख्य अतिथि रहे, राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक डॉ राजेश गर्ग जी विशिष्ठ अथिति के रूप में उपस्थित रहे एवं कार्यकम की अध्यक्षता प्रो. धनञ्जय यादव , विभागाध्यक्ष शिक्षा शास्त्र विभाग ने किया |

कार्यक्रम अधिकारी डॉ मनीष गौतम ने सभी अथिथियों का पुष्पगुच्छ प्रदान कर स्वागत एवं अभिनन्दन किया | उसके उपरांत डॉ राजेश गर्ग ने स्वयंसेवकों को राष्ट्र उन्नति में योगदान हेतु प्रेरित करते हुए कहा की २१वि शादी युवाओ की शताब्दी है और भारत की उन्नति में हर युवा को तन मन धन से राष्ट्र के उन्नति में योगदान देने हेतु तत्पर रहना चाहिए ताकि हम समृद्ध भारत के सपने को साकार कर सकें| प्रो. यादव ने 'विकसित भारत@ 2047' विषय पर पर अपने विचार प्रस्तुत किये उन्होंने भारत सरकार के इस भविष्योंन्मुखी लक्ष्य से स्वयंसेविकाओं को परिचित कराया, तथा इस दिशा में क्या क्या कदम उठाया जा सकता है उस संदर्भ में अनेक पहलुओं पर विस्तार से अपनी बात रखी| ने आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में स्वयंसेवकों की भूमिका पर अपने विचार रखे| आत्मनिर्भर भारत के निर्माण हेतु हर सजग भारतीय को अपनी क्षमताओं , अपने कौशलों एवं नवाचार की आदत के निर्माण की आवश्यकता है जिससे देश में एक उद्यमशीलता के वातावरण का निर्माण कर सकें | अपने उद्बोधन के अंत में मुख्य अतिथि ने स्वयंसेवकों को राष्ट्रीय सेवा योजना के विभिन्न कार्यक्रमों में जो बातें एवं सेवाकार्य सीखा है उन्हें अपने जीवन काल में अपनाने हेतु प्रेरित किया | कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. मनमोहन कृष्ण ने मतदान जागरूकता के विषय पर अपने विचार साँझा किये | प्रो. कृष्ण ने कहा की हम सबको वोट डालने के साथ – साथ लोग वोट क्यों नहीं देते हैं इस पर भी विचार करना होगा | उन्होंने थ्योरी ऑफ़ पोलेटिकल रोमांस , थ्योरी ऑफ़ पोलिटिकल चॉइस एवं थ्योरी ऑफ़ पैराडॉक्स के माध्यम से कम वोट प्रतिशत के पीछे के कारणों पर विस्तार पूर्वक प्रकाश डाला | प्रो. कृष्ण ने स्वयंसेवकों को सशक्त, समृद्ध एवं स्वावलंबी भारत के निर्माण हेतु सजग रहने की आवश्यकता पर बल दिया| इसके बाद डॉ मनीष ने स्वयंसेवकों को सबोधित करते हुए स्वयंसेवकों को मानव सेवा को माधव सेवा के रूप में अपनाने एवं सबसे प्रेम सबकी सेवा का मूल मंत्र दिया | कार्यक्रम अधिकारी डॉ मनीष कुमार गौतम ने समापन समारोह के अंत में विशेष शिविर के सफल आयोजन हेतु विभागाध्यक्ष महोदय का, राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ राजेश गर्ग सर का विशेष धन्यवाद ज्ञापन किया तथा समय समय पर डॉ राजेश गर्ग सर के निर्देशन एवं मार्गदर्शन हेतु उनका हृदयतल की गहराईयों से आभार ज्ञापित किया | साथ ही विश्वविद्यालय में NSS कार्यालय की देख रेख करने वाले श्री संजय जी का भी विशेष धन्यवाद ज्ञापित किया गया क्योंकी उनके सतत सहयोग से यह विशेष शिविर का आयोजन संभव हो पाया | अंत में डॉ गौतम ने सभी स्वयंसेवकों को सक्रीय भागीदारी हेतु धन्यवाद ज्ञापित किया| कार्यक्रम का समापन राष्ट्रीय गान से हुआ |

******